

P. S. SCIENCE & H. D. PATEL ARTS COLLEGE, KADI

Internal Examination

B.A. Semester - V

[Mark : 40

9-10-2015]

Sanskrit : CC-509

[11-00 to 12-30

॥ श्रीमद् भगवद् गीता ॥

1. नीचेनामांथी गमे ते त्रष्टा श्लोको अनुवाद समजावो. 12

- (1) एवमुक्तो हृषीकेशो गुडाकेशेन भारत ।
सेनयोरुभयोर्मध्ये स्थापयित्वा रथोत्तमम् ॥
- (2) निहत्य धार्तराष्ट्रान्नः का प्रीति स्याज्जनार्दन ।
पापमेवाश्रयेद् अस्मान्हत्वैतानाततायिनः ॥
- (3) नासतो विद्यते भावो नाभावो विद्यते सतः ।
उभयोरपि दृष्टोऽन्तस्त्वनयोस्तच्चवदर्सिभिः ॥
- (4) सुखेदुःखे समे कृत्वा लाभालाभौ जयाजयौ ।
ततो युद्धार्थं युज्यस्व नैवं पापमवाप्स्यसि ॥
- (5) न मे पार्थास्ति कर्तव्यं त्रिषु लोकेषु किंचन ।
नानवाप्तमवाप्तव्यं वर्त एव च कर्मणि ॥

2. “भगवद्गीता” ना त्रींश अध्याय “कर्मयोग” सार लखो.

अथवा

16

2. टूंकनोंध लखो. (गमे ते ले)

- | | | |
|---------------------------|---------------------|----------------------|
| (1) लोकसंग्रह | (2) अधिदैव | (3) अर्जुन विषाद |
| (4) स्थितप्रज्ञनां लक्षणो | (5) गीतानी पुष्पिका | (6) लक्ष्मणा प्रकारो |

3. नीचेनामांथी कोर्धपला छ प्रश्नोना शेक-ले वाक्योमां जवाब आपो. 12

- (1) श्रीकृष्णे अर्जुनने शरीर अने आत्मानो भेद केवी रीते समजाव्यो ?
- (2) श्री कृष्ण अर्जुनने केवा अने कया स्वधर्मनी याद अपावे छे ?
- (3) ब्राह्मीस्थिति विशेषे जशावो.
- (4) श्रीकृष्णना मते कयो पुरुष श्रेष्ठ छे ?
- (5) श्रीकृष्ण अर्जुनने केवा कर्मयोगनो उपदेश आपे छे ?
- (6) योगब्रह्मनी केवी गति थाय छे ?
- (7) गीताना सातमा अध्यायमां केटला श्लोको छे ? आ अध्यायनुं नाम शुं छे ?
- (8) प्रस्थानत्रयीमां कया कया ग्रंथोना समावेश थाय छे ?
- (9) भगवान पोताना स्वरूप विशेषे शुं कहे छे ?
- (10) केवा लोकोना योगक्षेमनुं भगवान वहन करे छे ?